# पशु पोषण में रोज़गार के अवसर

**डॉ. राजेश कुमार**

भारतीय पशु चारा बाजार 2018 में 817 बिलियन भारतीय रुपए का था. बाजार 2019-2024 के दौरान 12.7 प्रतिशत के सीएजीआर पर बढ़ रहा है. 2024 तक यह बाजार 1,683 बिलियन रु. तक पहुंचने का अनुमान है, भारत वर्तमान में दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते पशु आहार बाजारों में से एक है. पशु प्रोटीन और डेयरी उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण भारत में पशुधन की आबादी बढ़ी है, जिसके परिणामस्वरूप पशु आहार की मांग में वृद्धि हुई है. वर्तमान में पोल्ट्री, एक्वा और डेयरी उद्योग की भारतीय पशु चारा उद्योग में प्रमुख हिस्सेदारी है. आधुनिक पशु आहार उत्पादों को अत्यधिक पोषणयुक्त आहार प्रदान करने के लिए यह सावधानीपूर्वक चयन करके और सम्मिश्रण सामग्री द्वारा निर्मित किया जाता है जो इसके अंतिम उत्पादों की गुणवत्ता को बढ़ाते हैं जैसे कि मांस, दूध, अंडे और साथ ही साथ में पशु-स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं.

### भारतीय पशु चारा बाजार : उत्प्रेरक

- भारत में जनसंख्या मध्यम और लंबी अवधि में लगातार बढ़ने की उम्मीद है. यह अंडे, मांस, दूध, आदि के लिए एक मजबूत मांग पैदा करेगा, और इससे पशु चारा की मांग बढ़ेगी।
- भारत सरकार निजी पहल के साथ किसानों में बेहतर चारा प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ा रही है. पशु स्वास्थ्य और अपने पशुओं के लिए संतुलित और पौष्टिक भोजन के महत्व के बारे में किसान अधिक जागरूक हो रहे हैं.
- घरेलू खपत के अलावा, पशु आहार का भारतीय निर्यात बढ़ रहा है और अगले पांच वर्षों के दौरान एक महत्वपूर्ण विकास चालक का भी प्रतिनिधित्व करेगा.
- भारत में बदलती जीवनशैली और प्रति व्यक्ति आय बढ़ने के कारण देश में आहार की आदतों में बदलाव आया है. इससे दूध और मांस की खपत में वृद्धि हुई है, जिससे पशु आहार की मांग बढ़ गई है.

पशु चिकित्सक मूल रूप से पशु डॉक्टर होते हैं जो पशुओं का निदान और उपचार करते हैं. पशु चिकित्सक जानवरों के स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं और उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए काम करते हैं. वे पालतू जानवरों, पशुओं और अन्य जानवरों की चिकित्सा स्थितियों और रोगों का निदान, उपचार और अनुसंधान करते हैं. पशुचिकित्सा विज्ञान और पशुपालन के विभिन्न प्रभागों के बीच, पशु पोषण एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है और इसलिए इसके प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, डिग्री प्रदान करने के लिए दशकों से एक अलग विभाग लागू है. हालांकि, पशु चिकित्सा विज्ञान के गैर-नैदानिक पहलू होने के फलस्वरूप, यह एक महत्वपूर्ण नौकरी प्रदाता और बड़े दायरे होने के बावजूद इसे बहुत ध्यान नहीं मिला है.

पशु पोषण में एम.वी.एससी. 2 वर्ष का पूर्णकालिक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है जिसे 4 सैमेस्टर में विभाजित किया गया है. इसका उद्देश्य छात्रों को जानवरों और अन्य जैविक विज्ञानों में पोषक तत्वों, स्वास्थ्य के लिए पोषण विज्ञान के अनुप्रयोग, पाचन प्रक्रिया
और पालतू पशुओं के कल्याण के बारे में जानने का अवसर प्रदान करना है. यह पाठ्यक्रम जैविक और रासायनिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग और जानवरों के प्रबंधन और पशु उत्पादों के उत्पादन पर भी केंद्रित है. यह पोषण विज्ञान, जैव रसायन, पशु विज्ञान, खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी, हैचरी डिजाइन और पशु सुरक्षा और स्वास्थ्य के संबंधित पहलुओं में शिक्षा देता है.

**पात्रता :** 10 + 2 में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी (पीसीबी) वाले उम्मीदवारों को बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंड्री कोर्स उत्तीर्ण करना होगा. अंक और आयु मानदंड राज्य और विश्वविद्यालयों के अनुसार परिवर्तनशील हैं. राष्ट्रीय स्तर पर वीसीआई (वेटरनरी काउंसिल ऑफ इंडिया) और राज्य स्तर पर राज्य वेटरनरी विश्वविद्यालय के अनुसार आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा के आधार पर उम्मीदवारों को इस साढ़े पांच वर्ष के बीवीएससी और एएच कोर्स के लिए चुना जाता है. जिन छात्रों ने वेटेरिनरी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा मान्यताप्राप्त किसी भी संस्थान/विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक या 10 बिंदुओं में सीजीपीए 6.0 के साथ पशु चिकित्सा विज्ञान में अपनी स्नातक की डिग्री प्राप्त की है वे पशु पोषण पाठ्यक्रम में पशु चिकित्सा विज्ञान में मास्टर डिग्री हेतु आवेदन करने के लिए पात्र होते हैं.

आईसीएआर द्वारा राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों जैसे आईवीआरआई बरेली (यू.पी.), एनडीआरआई, करनाल (हरियाणा) और राज्य स्तर पर सभी वेटरनरी विश्वविद्यालयों के शेष कोटे के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा द्वारा एम.वी.एससी. द्वारा उम्मीदवारों का चयन किया जाता है.

यह पाठ्यक्रम छात्रों को नस्ल, और बाजार पशुधन और फार्म पशुओं की देखभाल करने के लिए तैयार करता है. पाठ्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों और नस्लों पर लागू पशु विज्ञान, पशु स्वास्थ्य और पशु पोषण की शिक्षा शामिल होती है. पशु पोषण विशेषज्ञ अकादमिक शिक्षण और अनुसंधान, औद्योगिक अनुसंधान, विस्तार शिक्षा, खाद्य और फ़ीड उद्योगों और प्रयोगशाला अनुसंधान कार्यक्रमों में रोज़गार प्राप्त करते हैं. वे पोषण उद्योगों, निजी निगमों और दवा उद्योगों में भी काम करते हैं. ये डिग्री धारक केयरटेकर, पशु पोषण विशेषज्ञ, पशु चिकित्सा सहायक और तकनीशियन के रूप में काम करते हैं. इन पेशेवरों के लिए औसत वेतन इस क्षेत्र में विशेषज्ञता के अनुसार 1 लाख रु. से 10 लाख रु. प्रति वर्ष के बीच होता है.

पशु पोषण कार्य में स्नातकोत्तर व्यावसायिक क्षेत्र में पशु आहार उत्पादन उद्योगों में तकनीकी बिक्री/विपणन के क्षेत्र में कार्य करते हैं. इन में से अधिकांश पेशेवर विभिन्न भूमिकाओं में जैसे सलाहकार पदों से लेकर मार्केटिंग और बिक्री नौकरियों के माध्यम से उत्पाद विकास तक कार्य कर सकते हैं.

### कुछ प्रमुख क्षेत्र जहां ये स्नातक काम करते हैं:-

- पशु और पालतू पशु खाद्य निर्माता
- कृषि सलाहकार निकाय
- अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसियां
- सरकारी विभाग
- शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान
- विश्वविद्यालय

सरकारी क्षेत्रों में, स्नातक कृषि उद्योग को नियंत्रित करने वाले नियमों के साथ काम करते हैं, या सीधे अनुसंधान में काम करते हैं. कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संगठन प्रयोगशाला वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों और विस्तार विशेषज्ञों के रूप में उच्च प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्तियों को नियुक्त करते हैं. वे पेशेवर शिक्षण पदों, क्षेत्र के पशुधन विशेषज्ञों और कृषि एजेंटों के रूप में भी काम करते हैं.

### पशु आहार विशेषज्ञ

पशु आहार विशेषज्ञ जानवरों के आहार और पोषण कार्य देखते हैं. वे विभिन्न खाद्य पदार्थों के प्रभाव का बारीकी से निदान करते हैं और जानवरों के जठरांत्र संबंधी मार्ग की जांच करते हैं. कुछ आहार विशेषज्ञ सरकारी एजेंसियों और पशु चिकित्सा अधिकारियों के रूप में काम करते हैं. वे अनुसंधान प्रयोगशालाओं या चिड़ियाघरों में पशुओं और पालतू पशुओं की देखभाल करने के लिए भी जिम्मेदार होते हैं.

### पशु पोषण विशेषज्ञ

पशु पोषण विशेषज्ञ पशुओं के स्वास्थ्य, और उत्पादकता पर आहार के प्रभाव को बढ़ाने और बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार होते हैं. वे पोषण संबंधी चारे, घास, चारे की खुराक और जानवरों और पालतू जानवरों के लिए चारे का मूल्यांकन करते हैं. वे पोषण संबंधी विकारों और फ़ीड्स के सुरक्षित भंडारण की जांच प्रायः पशु चिकित्सा सर्जनों के साथ मिलकर करते हैं.

### पशुचिकित्सा तकनीशियन

पशुचिकित्सा तकनीशियन जानवरों की परिचर्या के लिए अन्य तकनीशियनों की सहायता करते हैं. वे जानवरों की स्थिति का मूल्यांकन कर सकते हैं, महत्वपूर्ण आंकड़ों की जांच कर सकते हैं, घावों को साफ कर सकते हैं और जानवरों के लिए नमूने और दवाइयां एकत्र कर सकते हैं. वे प्रयोगशालाओं में रक्त परीक्षण, मूत्र विश्लेषण और साथ ही दांतों की सफाई कार्य करते हैं. वे पालतू जानवरों के मालिकों के साथ संवाद करते हैं और जानवरों की फाइलों को अपडेट करते हैं.

### डेयरी सलाहकार

डेयरी सलाहकार किसानों को ऐसी रणनीतियां प्रदान करते हैं जो उन्हें डेयरी उत्पादन बढ़ाने और सुधारने में मदद कर सकती हैं. ये सलाहकार ऐसी रिपोर्ट बनाते हैं जो वर्तमान उत्पाद की उपज को दर्शाती है और पोषण संबंधी परिवर्तन कैसे संभावित रूप से उनकी संख्या में सुधार कर सकते हैं. अधिकांश सलाहकार कई कारकों जैसे कि जानवरों को कितनी अच्छी तरह से खिलाया जाता है और उनके भोजन के प्रकार आदि की जांच करके एक दृष्टिकोण अपनाते हैं.

### उच्च अध्ययन

एम.वी.एससी. डिग्री धारक विभिन्न क्षेत्रों जैसे -

क) एप्लाइड एनिमल न्यूट्रिशन

ख) आणविक पोषण

ग) पोषण जैव रसायन

घ) पोषण संबंधी फिजियोलॉजी में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों जैसे पशु पोषण प्रभाग, एनडीआरआई, करनाल, हरियाणा पशु पोषण प्रभाग, आईवीआरआई, बरेली, यू.पी.; राष्ट्रीय पशु पोषण और शरीर विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू, भारत; पशु पोषण संस्थान, बर्लिन आदि से अध्येतावृत्ति के उच्च अध्ययन भी कर सकते हैं.

**(लेखक पशु पोषण विभाग, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ वेटरनरी एजुकेशन एंड रिसर्च, राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंस, जयपुर, राजस्थान, भारत में शिक्षण सहयोगी हैं**

**इ - म ल : rajeshkumarmahla46@gmail. com)**

**व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं.**